1. हिंद देश के निवासी

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल-गूँथे माला में एक हैं।

कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जा के मिल गईं सागर में, हुई सब एक हैं।

धर्म हैं अनेक जिनका, सार वही है,
पंथ हैं निराले, सबकी मंज़िल तो एक है।

शब्दार्थ

जन	–	लोग
टेर	–	तान
तराना	–	राग, गीत
राग	–	विशिष्ट गान प्रकार जैसे पंचम, सप्तम, भैरवी आदि
सार	–	मुख्य बात
पंथ	–	रास्ता
निराला	–	अनोखा
मंजिल	–	लक्ष्य

आपका पन्ना

1. आप अपने गाँव, शहर या राज्य को किस रूप में देखना चाहते हैं? दिए गए स्थान पर चित्र बनाइए या लिखिए –

2. भारत के नक्शे में इसके सभी राज्यों के नाम लिखिए। अपने राज्य के नक्शे में अपना मनपसंद रंग भरिए –

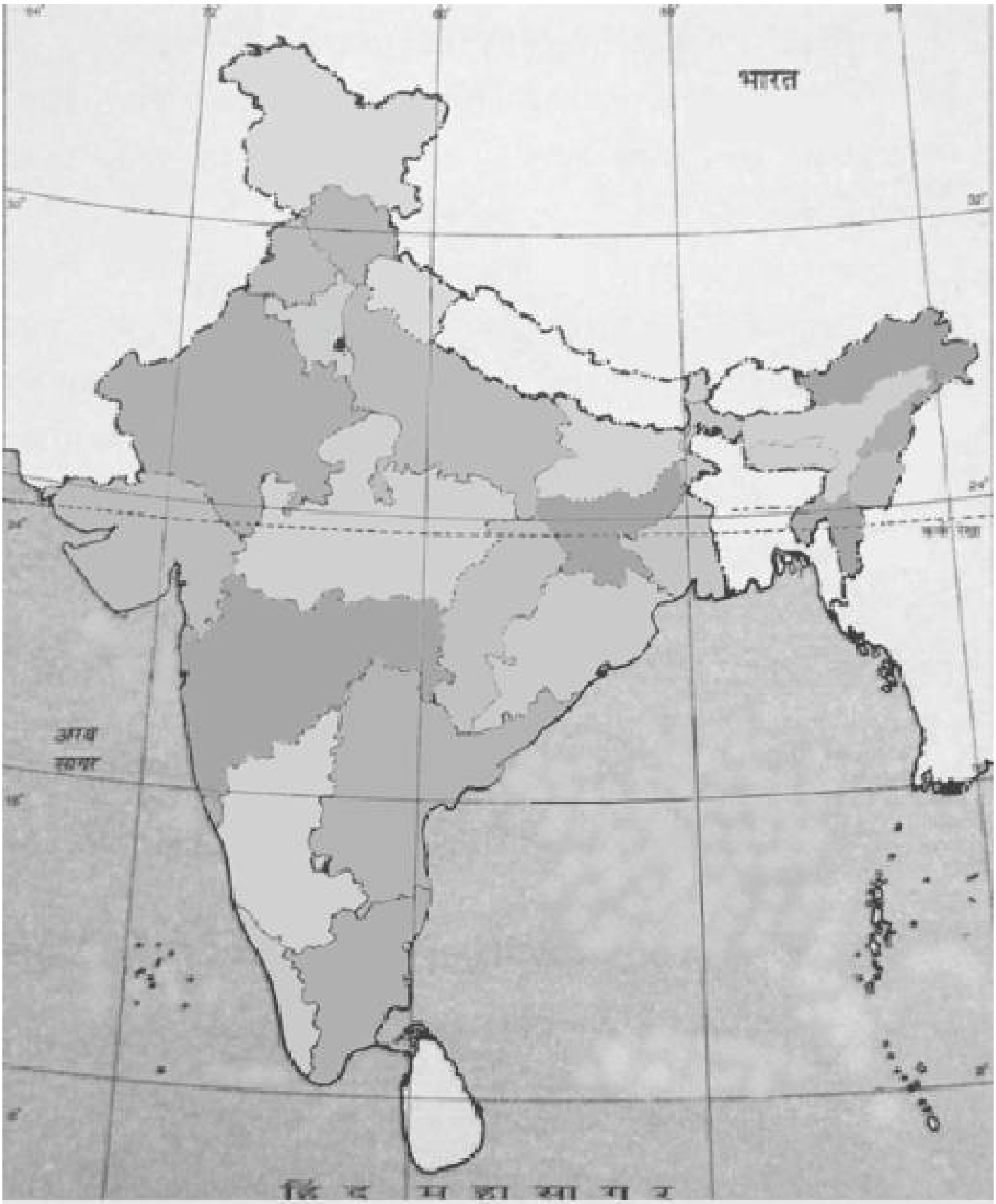

3. अपने शिक्षक की सहायता से नीचे दिए गए राज्यों के बारे में खास बातें लिखते हुए तालिका को भरिए –

क्र०सं०	राज्य	प्रसिद्ध पकवान	वेश-भूषा	भाषा	एक प्रसिद्ध जगह
1.	बिहार				
2.	तमिलनाडु				
3.	पंजाब				
4.	असम				
5.	गुजरात				

4. निम्नलिखित नदियाँ किन-किन राज्यों से होकर गुज़रती हैं? आप अपने शिक्षक या परिवार के किसी सदस्य की सहायता से बताइए –

नदियाँ	राज्यों के नाम
गंगा	
ब्रह्मपुत्र	
कावेरी	

5. देशभक्ति से जुड़े एक-दो गीत कक्षा में सुनाइए।

6. आपको अपने गाँव, शहर, राज्य या देश की कौन-सी एक बात बहुत अच्छी लगती है? बताइए।

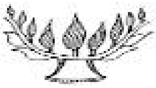

2. टिपटिपवा

भुवन रोज़ रात को सोने से पहले दादी से कहानी सुनता। दादी रोज़ उसे तरह-तरह की कहानियाँ सुनातीं।

एक दिन मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नहीं हुई थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। दादी की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह से टपक रहा था–टिपटिप-टिपटिप। इस बात से बेख़बर पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। दादी खीझकर बोलीं, "अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? इस टिपटिपवा से जान बचे तब न!"

पोता उठकर बैठ गया। "दादी, ये टिपटिपवा कौन है? टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से बड़ा होता है?" उसने पूछा।

दादी छत से टपकते हुए पानी की तरफ देखकर बोलीं, "हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त डर, टिपटिपवा के डर।"

संयोग से मुसीबत का मारा एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था। बेचारा बाघ बारिश से घबराया हुआ था। दादी की बात सुनते ही वह और डर गया।

"अब यह टिपटिपवा कौन-सी बला है? ज़रूर यह कोई बड़ा जानवर है। तभी दादी शेर-बाघ से ज़्यादा टिपटिपवा से डरती हैं। इससे पहले कि वह बाहर आकर मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।"

वाघ ने ऐसा सोचा और झटपट वहाँ से दुम दबाकर भाग चला।

उसी गाँव में भोला भी रहता था। वह भी बारिश से परेशान था। आज सुबह से उसका गदहा गायब था। सारा दिन वह बारिश में भींगता रहा और जगह-जगह गदहे को ढूँढ़ता रहा, लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

भोला की पत्नी बोली, "जाकर गाँव के पंडित जी से क्यों नहीं पूछते? वे बड़े ज्ञानी हैं। आगे-पीछे, सबके हाल की उन्हें खबर रहती है।"

भोला को पत्नी की बात जँच गई। अपना मोटा लट्ठ उठाकर वह पंडित जी के घर की तरफ चल पड़ा। उसने देखा कि पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।

"महाराज, मेरा गदहा सुबह से नहीं मिल रहा है। ज़रा पोथी बाँचकर बताइए तो वह कहाँ है?" भोला ने बेसब्री से पूछा।

सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। भोला की बात सुनी तो झुँझला पड़े और बोले, "मेरी पोथी में तेरे गदहे का पता-ठिकाना लिखा है क्या, जो आ गया पूछने? अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।" और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने।

भोला वहाँ से चल दिया। चलते-चलते वह एक तालाब के पास पहुँचा। तालाब के किनारे ऊँची-ऊँची घास उग आई थी। भोला घास में गदहे को ढूँढ़ने लगा। किस्मत का मारा बेचारा बाघ टिपटिपवा के डर से वहीं घास में छिपा बैठा था। भोला की नज़र बाघ पर पड़ी। अँधेरा और बारिश के कारण साफ दिखाई नहीं दे रहा था। भोला को लगा कि बाघ ही उसका गदहा है। उसने आव देखा न ताव और लगा बाघ पर मोटा लट्ठ बरसाने। बेचारा बाघ इस अचानक हमले से एकदम घबरा गया। "लगता है यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया। अब अपनी जान बचानी है तो यह जो कहे चुप-चाप करते जाओ।" बाघ ने मन ही मन सोचा।

"आज तूने बहुत परेशान किया है, मार-मार कर मैं तेरा कचूमर निकाल दूँगा"- ऐसा कहकर भोला ने बाघ का कान पकड़ा और उसे खींचता हुआ घर की तरफ चल दिया। बाघ बिना चूँ-चपड़ किए भींगी बिल्ली बना भोला के पीछे-पीछे चल दिया। घर पहुँचकर भोला ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया और सो गया।

सुबह जब गाँववालों ने भोला के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधा देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

शब्दार्थ

खीझकर	–	कुढ़कर, चिढ़कर, झुंझलाकर
बला	–	आपत्ति, आफत
दुम	–	पूँछ
गढ़ई	–	छोटा गड्ढा
उलीचना	–	उपछना, बाहर फेंकना

अभ्यास

बातचीत के लिए

1. आप भी कहानी सुनने के लिए मचलते होंगे। आपको कहानी कौन-कौन सुनाते हैं?
2. 'टिपटिपवा' कौन है? बाघ उसका नाम सुनकर क्यों डर गया था?
3. पंडित जी बारिश का जमा पानी कैसे उलीच रहे थे?
4. कहानी में भोला किस पोथी को बाँचने की बात करता है?
5. दादी ने ऐसा क्यों कहा कि टिपटिपवा का डर शेर-बाघ से भी बड़ा होता है?
6. पंडित जी के घर जाते समय भोला ने मोटा लट्ठ साथ में क्यों लिया होगा?

कहानी में से

1. भोला पंडित जी के पास क्यों गया?
2. बाघ टिपटिपवा के डर से कहाँ छिप गया?
3. गाँववालों की आँखें खुली की खुली क्यों रह गईं?

बारिश ही बारिश

'बारिश में दादी की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह टपक रहा था।'

1. दादी ने बारिश से बचने के लिए क्या किया होगा?
2. आप या आपके गाँव/मोहल्ले के लोग बारिश से बचने के लिए क्या-क्या करते हैं?
3. **इस कहानी में बारिश से कई लोग परेशान हुए। बताइए कि निम्नलिखित लोगों को बारिश के कारण क्या परेशानी हुई-**

व्यक्ति	क्या परेशानी हुई
दादी	------------------
पंडित जी	------------------
बाघ	------------------
भोला	------------------

कहानी की दुनिया

1. **कहानी में पहले क्या हुआ, फिर उसके बाद क्या हुआ? घटनाओं के आधार पर क्रम में अंक दीजिए-**

- ☐ भोला ने बाघ को गदहा समझकर उसे खूँटे से बाँध दिया।
- ☐ दादी ने कहा, "टिपटिपवा तो बाघ से भी बड़ा होता है।"
- ☐ गाँववाले हैरानी से बाघ को देखने लगे।
- ☐ दादी की झोंपड़ी में बारिश का पानी टपक रहा था।
- ☐ भोला अपने गदहे का पता पूछने पंडित जी के पास गया।
- ☐ बाघ टिपटिपवा के डर से तालाब के किनारे घास में छिप गया।

2. कहानी में शेर और बाघ की बात आई है। नीचे दिए गए चित्र में बताएँ कि कौन बाघ है और कौन शेर?

3. बाघ चुपचाप भोला के पीछे क्यों चलने लगा। सही उत्तर पर (✓) निशान लगाइए –

(क) बाघ भोला से डर गया था। ☐

(ख) बाघ ने सोचा कि भोला उसे टिपटिपवा से बचाएगा। ☐

(ग) बाघ ने मोटे लट्ठ को टिपटिपवा समझ लिया। ☐

कहानी और आप

1. 'सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। भोला की बात सुनी तो झुँझला पड़े।'
बताइए, आप कब थक जाते हैं और कब झुंझला पड़ते हैं? निम्नलिखित लोगों के बारे में भी पता कर लिखिए –

व्यक्ति	थक जाते हैं	झुँझला पड़ते हैं
आप	----------	-----------
माँ	----------	-----------
पिताजी	----------	-----------
बहन	----------	-----------
भाई	----------	-----------
दोस्त	----------	-----------

2. **'पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था।'**

(क) यहाँ मचलने का क्या मतलब है?

(ख) आप किन-किन चीज़ों/कामों के लिए मचलते हैं?

(ग) क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी चीज़ के लिए मचलने पर आपको डाँट पड़ी हो? बताइए।

भाषा के रंग

1. **'सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे।'**

इसी तरह सही शब्द से वाक्य पूरे कीजिए–

उलीचना	**पटाना**	**फेंकना**
डालना	**फेरना**	**देना**

- सुनील खेतों को पानी से ---------------- रहा था।
- अंकित ने जल्दी से पैरों पर पानी ----------------और पैर साफ किया।
- अरे तुमने तो मेरे किए कराए पर पानी ---------------- दिया।
- सभी नाव से पानी ---------------- लगे।
- गिलास में मक्खी गिर गई थी इसलिए मामाजी को सारा पानी ------------ पड़ा।
- एक गिलास पानी ------------------।

2. **नीचे दिए गए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए अर्थ बताइए–**

चूँ-चपड़ न करना – ---

भींगी बिल्ली बनना – ---

आव देखा न ताव – ---

दुम दबाकर भागना - ------------------------------

आँखें खुली की खुली रहना - --------------------------
----

3. नीचे दिए गए कथनों को अपनी क्षेत्रीय भाषा (मातृभाषा) में बोलिए-

- टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से भी बड़ा होता है?
- अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।
- लगता है, यही टिपटिपवा है।

4. नीचे दिए गए कथनों को हिंदी में बोलिए-

अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब न।
हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त डर, टिपटिपवा के डर।

5. इससे पहले कि बाहर आकर वह मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।

आप भी 'इससे पहले कि' का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए-

इससे पहले कि - --

इससे पहले कि - --

इससे पहले कि - --

6. निम्नलिखित शब्द स्त्रीलिंग हैं या पुँल्लिंग ? (✓) निशान लगाइए-

बारिश	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
झोपड़ी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
पानी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
लट्ठ	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग
पोथी	-	स्त्रीलिंग / पुँल्लिंग

7. (क) नीचे दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–

- भोला वहाँ से चल दिया।
- दादी पोते को कहानी सुना रही थीं।
- और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने।
- धोबी को लगा कि बाघ ही उसका गदहा है।

(ख)

पहले वाक्य में 'भोला' एक व्यक्ति विशेष का नाम है, यह व्यक्तिवाचक संज्ञा है। किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान के ख़ास नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों में व्यक्तिवाचक संज्ञा के नीचे रेखा खींचिए–

- राधिका ने गीत गाया।
- हम गोलघर देखने गए थे।
- पटना सुंदर शहर है।
- सुमित ने पौधा लगाया।

कुछ करने के लिए

आपने अब तक कई कहानियाँ पढ़ी होंगी। अपनी पसंद की कोई कहानी सुनाइए।

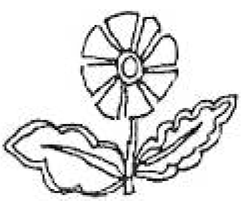

3. हुआ यूँ कि...

मैं चौथी कक्षा में पढ़ता था जब स्कूल में खेले गए एक नाटक में पहली अदाकारी की। नाटक का नाम श्रवण कुमार था और मैं ही श्रवण कुमार की भूमिका निभा रहा था। निर्देशक नौवीं कक्षा का एक छात्र था। मेरे लिए उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण यही था कि वह आँखों पर चश्मा लगाए हुए था। मंच-सज्जा के लिए उसके हुक्म पर हम सभी अदाकार अपने-अपने घर से माँ-बहनों की धोतियाँ-साड़ियाँ उठा लाए थे-मंच पर बहती नदी दिखाने के लिए, जहाँ गहरी रात गए श्रवण कुमार अपने अंधे माँ-बाप के लिए पानी लेने जाता है। एक ओर पानी की बाल्टी रख दी गई थी। दो लड़के श्रवण कुमार के अन्धे माँ-बाप की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें हिदायत दी गई थी कि सारा वक्त आँखें बन्द किए रहें। निर्देशक महोदय ने उन्हें मंच के ऐन बीचोंबीच दर्शकों की ओर मुँह किए साथ-साथ बैठा दिया था। उनमें से एक बोधराज, माँ की भूमिका निभा रहा था। वह अपनी माँ की ही धोती पहने हुए था, जिसका पल्लू बार-बार सिर पर से खिसक जाता था।

पर्दा उठा, मेरे अंधे माँ-बाप बोले, ''बेटा श्रवण कुमार, बहुत प्यास लगी है।'' मैंने लोटा उठाया, चरण वंदना की और नदी की ओर चल पड़ा। उधर राजा दशरथ उछलता, पैतरें बदलता और अपनी मूँछों को ताव देता हुआ पर्दे के पीछे से मंच पर उतरा, पीठ पर बंधे तरकश में से तीर निकाला और यह कहते हुए कि कोई जानवर नदी के जल को गंदा कर रहा है, अपना तीर चला दिया।

तीर को मैंने सीधा ऊपर की ओर जाते देखा, पर मैंने उसी क्षण लोटा फेंका और चारों खाने चित स्टेज पर लेट गया और सप्तम स्वर में गाने लगा–

"मैंने जालिम तेरा क्या बिगाड़ा,
तीर सीने में क्यों तूने मारा?
क्या खता थी बता, मेरी आखिर;
क्यों अभागे को जल भरते मारा?"

मेरी आवाज सप्तम् स्वर में चल रही थी जिस कारण हॉल में सन्नाटा छा गया। मैं बराबर गाए जा रहा था पर गीत इतना लंबा था कि खत्म ही नहीं हो पा रहा था। उधर राजा दशरथ, एक पैर आगे एक पीछे रखे, पोज बनाए, बिना हिले-डुले, मूर्तिवत् खड़ा था। इस इंतजार में कि मैं गाना खत्म करूँ और उसे संबोधित करूँ। उसका तीर–कमान मेरी दिशा में स्थिर हो गया था। अगर वह एक और तीर तरकश में से निकालकर मेरी ओर चला देता तो बात बन जाती पर उसे 'डायरेक्टर' ने एक ही तीर चलाने को कहा था और वह चल चुका था। मेरा गीत अभी आधा भी नहीं गाया गया था कि मेरी आवाज फटने लगी। किसी-किसी वक्त मुझे लगने लगा जैसे हॉल में बैठे दर्शक हँसने लगे हैं। उधर श्रवण कुमार के अंधे माँ-बाप आँखें बंद किए बैठ ही नहीं पा रहे थे, कभी एक तो कभी दूसरा, आँखें खोल देता जिसे देखकर दर्शक हँसने लगे थे। ''वह देख, उसने फिर आँखें खोली हैं।''

सहसा हॉल में ठहाका हुआ। बोधराज के सिर पर से, जो अंधी माँ की भूमिका में था, धोती का पल्लू खिसक आया था और नीचे से उसका घुटा हुआ सिर निकल आया था। फिर किसी ने ऊँची आवाज़ में कहा ''वह देख, फिर से देख रहा है। उसने फिर से आँखें खोल दी हैं।''

हॉल में बार-बार ठहाके उठने लगे। फिर बार-बार तालियाँ बजने लगीं। फिर जब मैंने गीत समाप्त करके, तड़पकर मरने का अभिनय किया तो हॉल में सीटियाँ बज रही थीं। मेरी कक्षा के एक अध्यापक मेरे भाई बलराज से कह रहे थे; ''यह तेरा भाई क्या कर रहा है?''

मेरी मृत्यु के बाद अभी और संवाद बोले जाने थे—बूढ़े माँ-बाप के साथ राजा दशरथ के संवाद, अंधे माँ-बाप को अभी श्राप देना था पर नाटक का शेष भाग मैं भूल गया और झट से उठ बैठा। इससे हॉल में हँसी के फव्वारे फूट उठे। किसी ने आवाज़ कसी, ''लेटा रह ! लेटा रह !''

पर मैं इतना बेसुध हो गया था कि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूँ। मुझे और तो कुछ नहीं सूझा, मैं फिर लेट गया जिस पर ऐसी तालियाँ बजने लगीं कि थमने में नहीं आ रही थीं। सीटियाँ, तालियाँ, ठहाके तरह-तरह की आवाज़ें देर तक चलती रहीं।

यह मेरी पहली अदाकारी थी।

–भीष्म साहनी

शब्दार्थ

निर्देशक	–	निर्देश देने वाला, बतलाने वाला या समझाने वाला
अदाकारी	–	अभिनय
हिदायत	–	अनुदेश, रास्ता दिखाना, निर्देश
तरकश	–	जिसमें तीर रखा जाता है
जालिम	–	अत्याचारी, क्रूर
मूर्तिवत	–	मूर्ति के जैसा
दर्शक	–	देखने वाले
बेसुध	–	अचेत, बेहोश

अभ्यास

पहली अदाकारी

1. श्रवण कुमार की भूमिका किसने निभाई?
2. बोधराज को किसकी भूमिका निभाने में क्या परेशानी हो रही थी?
3. दशरथ मंच पर मूर्ति की तरह क्यों खड़ा था?
4. तीर लगने के बाद कौन-सा गीत गाया गया?
5. श्रवण कुमार के माता-पिता बने लड़कों को क्या हिदायत दी गई थी?
6. दर्शक तालियाँ क्यों बजाने लगे?

नाटक की दुनिया

1. नाटक में निर्देशक क्या काम करता है?
2. बच्चे अपने घर से धोती-साड़ियाँ क्यों उठा लाए थे?
3. नाटक खेलते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?

4. **मंच पर इन्हें दिखाने के लिए किन चीज़ों का प्रयोग किया जा सकता है?**

(क) पेड़ – --

(ख) कुआँ – --

(ग) साँप – --

4. आपके अनुसार नाटक की सफलता में किसकी भूमिका सबसे ज़्यादा होती है—अभिनेता की, निर्देशक की, नाटक लिखने वाले की या मंच सज्जा करने वाले की? अपने उत्तर का कारण भी बताएँ।

5. **'श्रवण' कुमार नाटक खेलने के लिए बच्चों को किस-किस सामान की जरूरत पड़ी होगी? एक सूची बनाइए—**

जरूरी सामान – --------------- --------------- ---------------

----------------- ----------------- ----------------- -----------------

----------------- ----------------- ----------------- -----------------

आपकी बात

1. क्या आपको किसी नाटक में अदाकारी का मौका मिला है? उसके बारे में बताइए।
2. क्या आपके मुहल्ले, गाँव या शहर में नाटक होते हैं? उनके बारे में बताइए।
3. **मेरे लिए उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण यही था कि वह आँखों पर चश्मा लगाए हुए था।**

   (क) क्या चश्मा लगाने से व्यक्ति योग्य बन जाता है?

   (ख) आपके अनुसार योग्य होने के लिए क्या जरूरी है?

   (ग) आप अपनी कक्षा, परिवार और गाँव में किस-किस को बड़ाई के योग्य मानते हैं और क्यों?
4. **अगर आपको 'श्रवण कुमार' नाटक में अभिनय करने का अवसर मिले तो—**

   (क) आप किस पात्र की भूमिका निभाना चाहेंगे और क्यों?

   (ख) आपको किस पात्र की भूमिका निभाने में कठिनाई होगी और क्यों?

अनुमान लगाइए

1. श्रवण कुमार के माता-पिता वने लड़के आँखें बंद करके क्यों नहीं बैठ पा रहे थे?
2. लेखक की आवाज़ क्यों फटने लगी थी?
3. अध्यापक ने ऐसा क्यों कहा कि यह तेरा भाई क्या कर रहा है।

खोजबीन

पाठ में से उन अंशों को खोजकर बताइए जिनसे दर्शकों को नाटक में मज़ा आ रहा था।

भाषा के रंग

1. क्या है 'गहरा' ?

'जहाँ गहरी रात गए श्रवण कुमार अपने अंधे माँ-बाप के लिए पानी लेने जाता है।' इस वाक्य में 'गहरी रात' का अर्थ 'बहुत रात होना' है। नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित अंशों के अर्थ बताइए–

(क) इसमें एक <u>गहरा राज</u> है। --

(ख) यह नदी <u>बहुत गहरी</u> है। --

(ग) रमा को <u>गहरा हरा</u> रंग पसंद है। -----------------------------------

(घ) मास्टर जी ने आज एक <u>गहरी बात</u> समझाई। --------------------

2. सही का चिह्न (✓) लगाइए–

i. सप्तम स्वर में गाने का मतलब है–

(क) धीमी आवाज़ में गाना (ख) ऊँचे स्वर में गाना
(ग) रो-रो कर गाना (घ) सुर मिलाना

ii. हॉल में 'सन्नाटा छा गया।' मतलब है–

(क) हॉल में खुशी छा गई (ख) हॉल में तंबू छा गया
(ग) हॉल में खामोशी छा गई (घ) हॉल में अँधेरा छा गया

iii. 'घुटा हुआ सिर' का मतलब है–

(क) सिर पर एक भी बाल न होना (ख) छोटा सिर

(ग) छोटे बालों वाला सिर (घ) कटा हुआ सिर

3. दिए गए शब्द-समूह में से सही शब्द पर घेरा ◯ लगाइए–

1.	साड़ीयाँ	साड़ियां	साड़ियाँ
2.	मूंछ	मूँछ	मुँछ
3.	मूर्ति	मूर्ती	मुर्ति
4.	दशर्क	दर्शक	र्दशक

4. 'हॉल' का 'हाल'

'हॉल' में बैठे दर्शक हँसने लगे।' शब्द में 'हा' के ऊपर आधा चाँद बना है। इसका प्रयोग ज्यादातर अंग्रेजी से आए शब्दों में होता है। अब नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए। क्या कोई अंतर नज़र आया?

हाल	–	हॉल	काफ़ी	–	कॉफी
बाल	–	बॉल	डाली	–	डॉली

5. इन शब्दों को भी बोल-बोल कर पढ़िए–

डॉक्टर, कॉलेज, कॉपी, फ्रॉक

6. नीचे दिए गए वाक्यों को सही शब्द से पूरा कीजिए–

(क) मुझे ------------- कटवाने जाना है। (बॉल / बाल)

(ख) रोहित ने ऐसा बल्ला घुमाया कि ------------- दीवार के पार चली गई। (बॉल / बाल)

(ग) आपका का क्या ------------- है? (हॉल / हाल)

(घ) यह खाना बीस बच्चों के लिए ------------- रहेगा। (कॉफी / काफी)

(ङ) यह ------------- बहुत गर्म है। (कॉफी / काफी)

शब्दों की दुनिया

1. निम्नांकित शब्दों से वाक्य में दिए गए खाली स्थानों को भरिए –

पर, में, के, ने, को

(क) दर्शक हॉल ----------------- बैठे थे।

(ख) बोधराज ----------------- कुछ समझ में नहीं आया।

(ग) हम सभी मंच ----------------- खड़े थे।

(घ) माता-पिता ----------------- अपनी आँखें खोल दीं।

(ङ) श्रवण कुमार ----------------- माता-पिता उसे बहुत प्यार करते थे।

2. 'मानसरोवर' के अक्षरों से नए शब्द बनाइए –

जैसे– मानस ----------------- ----------------- -----------------

3. नाटक की दुनिया से जुड़े शब्दों की सूची को आगे बढ़ाइए–

जैसे-अदाकारी ------------- ------------- ------------- -------------

------------- ------------- ------------- -------------

------------- ------------- ------------- -------------

संवाद और अभिनय

1. 'अगर वह एक और तीर तरकश में से निकालकर मेरी ओर चला देता तो मेरा काम बन जाता।' अगर दशरथ तीर चला देता तो दशरथ और श्रवण कुमार के बीच क्या वातचीत होती? उनके संवाद लिखिए और फिर अभिनय भी कीजिए–

श्रवण कुमार – हाय ! मार डाला ।

दशरथ – अरे, यह क्या हो गया? मैंने तो सोचा था कि कोई जानवर होगा।

श्रवण कुमार – --

दशरथ – --

2. श्रवण कुमार पर आधारित नाटक का मंचन कीजिए।

***

4. चाँद का कुर्ता

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला,
"सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला।

सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ।

आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का,
न हो अगर तो ला दो कुर्ता ही कोई भाड़े का।"

बच्चे की सुन बात, कहा माता ने,"अरे सलोने!
कुशल करें भगवान, लगे मत तुझको जादू-टोने।

जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ।
एक नाप में कभी नहीं तुझको देखा करती हूँ।

कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है और किसी दिन छोटा।

घटता-बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की भी आँखों को दिखलाई पड़ता है।

अब तू ही यह बता, नाप तेरी किस रोज़ लिवायें,
सी दें एक झिंगोला जो हर रोज़ बदन में आये?"

-रामधारी सिंह 'दिनकर'

शब्दार्थ

हठ	–	ज़िद
झिंगोला	–	ढीला-ढाला वस्त्र
भाड़े का	–	किराये का
1 फुट	–	12 इंच की लंबाई

अभ्यास

चाँद की बात

1. चाँद ने ऊन का मोटा झिंगोला सिलवाने की बात क्यों की ?
2. चाँद की माँ को उसका झिंगोला सिलवाने में क्या परेशानी है ?
3. चाँद में किस तरह के बदलाव आते हैं ?
4. चाँद ने कौन-सी यात्रा पूरी करने की बात की है ?
5. आप चाँद के लिए कैसा झिंगोला बनाएँगे ?

किराया-भाड़ा

'न हो अगर तो ला दो कुर्ता ही कोई भाड़े का ।'
कविता की इस पंक्ति में रेखांकित शब्द 'भाड़े का' का अर्थ है – किराए का।

1. क्या आपने कभी कोई चीज़ भाड़े पर ली है ? कौन-कौन सी, बताइए।
2. किराए पर चीज़ें क्यों ली जाती हैं?
3. आप अपनी जरूरत की कौन-कौन सी चीज़ें किराए पर ले सकते हैं? घेरा लगाइए ।

पेंसिल	कॉपी	कुर्ता	किताब	कंबल
कंघा	मकान	बस्ता	रोटी	जूते

4. किन्हीं पाँच चीज़ों के नाम बताइए जो किराए पर नहीं ली जा सकतीं –

------------ ------------- ------------- ----------- ------------

5. चाँद ने भाड़े पर कुर्ता लाने की बात क्यों की ?

6. चाँद के लिए भाड़े पर कितने कुर्ते लाने की ज़रूरत पड़ेगी?

चंदा मामा दूर के

1. **'एक नाप में कभी नहीं तुझको देखा करती हूँ ।'** क्या चाँद की माँ की यह वात ठीक है? कैसे ?
2. **'घटता – बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है,**
नहीं किसी की भी आँखों को दिखलाई पड़ता है ।'
चाँद के घटने-बढ़ने पर जो उसका आकार बनता है उसे चाँद की कलाएँ कहते हैं । नीचे चाँद की कलाएँ दी गई हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और चाँद के घटने-बढ़ने से पूर्णिमा, अमावस्या को समझिए।

बातचीत के लिए

1. **चाँद की माँ उसे 'सलोने' कहकर बुलाती है । आपको लोग क्या कहकर बुलाते हैं –**

व्यक्ति	बुलाने का नाम
माँ	----------------
पिताजी	----------------
बहन	----------------
भाई	----------------
दोस्त	----------------

2. **बच्चे की सुन बात कहा माता ने, "अरे सलोने !**
कुशल करे भगवान, लगे मत तुझको जादू-टोने ।"

चाँद की माँ यह प्रार्थना करती है कि भगवान उसके बच्चे की रक्षा करें, उसे जादू-टोने से बचाए रखें । क्या आपकी माँ, दादी, नानी या कोई और भी आपके लिए ऐसी प्रार्थना करते हैं ? लिखिए –

कौन करते हैं?	**क्या कहते हैं?**
---------------	---------------
---------------	---------------
---------------	---------------
---------------	---------------

3. आपके अनुसार जादू-टोना क्या है ?

4. क्या आप ऐसी बातों पर विश्वास करते हैं ? क्यों ?

5. क्या आपके परिवार के सदस्य ऐसी बातों पर विश्वास करते हैं? क्या आप उनसे सहमत हैं?

भाषा के रंग

1. 'जाड़े-भाड़े' शब्दों की लय समान है। आप इन शब्दों की समान लय वाले शब्द लिखिए।

(क) झिंगोला ---------
(ख) बात ---------
(ग) ऊन ---------
(घ) हवा ---------

2. **नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए –**

- ठिठुर कर यात्रा पूरी करता हूँ ।
- ठिठुर – ठिठुरकर यात्रा पूरी करता हूँ ।

दोनों वाक्यों में ठंड लगने की बात की गई है ।

(क) फिर कवि ने 'ठिठुर' और 'ठिठुर-ठिठुरकर' का अलग-अलग प्रयोग क्यों किया है ?

(ख) किस वाक्य में ज़्यादा ठंड लगने की बात है ?

यहाँ एक ही शब्द एक साथ दो बार प्रयोग करने से उसके अर्थ में तीव्रता आती है। यानी उस पर बल पड़ता है । वह 'बहुत' के अर्थ में आया है।

(ग) अब आप नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए और बताइए कि वाक्य का रेखांकित अंश क्या अर्थ दे रहा है –

(i)
- पत्ते **ज़ोर से** हिल रहे थे ।
- पत्ते **ज़ोर-ज़ोर से** हिल रहे थे ।

(ii)
- अरे बच्चो ! **जल्दी** चलो ।
- अरे बच्चो ! **जल्दी-जल्दी** चलो ।

(iii)
- **देखो**, बच्चा बाल्टी उठा रहा है ।
- **देखो-देखो** बच्चा बाल्टी उठा रहा है ।

3. 'घटता – बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है' पंक्ति में '**घटता-बढ़ता**' शब्द – जोड़ा है जिसमें चाँद के घटने और बढ़ने की बात की गई है । दोनों शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं। नीचे दिए गए शब्द जोड़ों को पूरा कीजिए –

(क) ऊपर ------------

(ख) अंदर ------------

(ग) ठंडा ------------

(घ) कम ------------

(ङ) आना ------------

(च) दिन ------------

बाहर
गर्म
जाना
रात
ज़्यादा
नीचे

4. चाँद पर आधारित नीचे दी गई कविता को पढ़िए ।

गोल हैं खूब मगर
आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा।
आप पहने हुए हैं कुल आकाश
तारों-जड़ा;
सिर्फ़ मुँह खोले हुए हैं अपना
गोरा-चिट्टा
गोल-मटोल,
अपनी पोशाक को फैलाए हुए चारों सिम्त[1]।
आप कुछ तिरछे नज़र आते हैं जाने कैसे
– खूब हैं गोकि!
वाह जी, वाह!
हमको बुद्धू ही निरा समझा है!
हम समझते ही नहीं जैसे कि
आपको बीमारी है;
आप घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं,
और बढ़ते हैं तो बस यानी कि
बढ़ते ही चले जाते हैं–
दम नहीं लेते हैं जब तक बिलकुल ही
गोल न हो जाएँ,
बिलकुल गोल।
यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में...
आता है।

1. सिम्त – दिशा

– शमशेर बहादुर सिंह

आपकी कलम और कल्पना

1. 'चाँद का कुर्ता' कविता को कहानी के रूप में लिखिए ।
2. आप भी चाँद पर अपनी एक कविता बनाइए ।